तथा कदन्न, चावल विकास के लिये समेकित कार्यक्रम, राष्ट्रीय दलहन विकास कार्यक्रम और अनाजों का मिनीकिट कार्यक्रम। प्रौद्योगिकी का अंतरण करने के लिये कृषक प्रशिक्षण केन्द्रों के माध्यम से किसानों और कृषक महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अलावा, विदेशी सहायता से चुनींदा राज्यों में शुरू की गई विशेष परियोजनाओं के माध्यम से कृषक महिलाओं की प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति की जा रही है।

Krishi Vigyan Kendras

2533. DR. YELAMANCHILI SIVA-JI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government have received proposals from Andhra Pradesh Agriculture University for location of Krishi Vigyan Kendras;

(b) whether any Indian Council of Agricultural Research expert team visited different districts of the State and prepared a report; and

(c) if so, what are the details and at what stage of consideration are those proposals?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI K. C. LENKA): (a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir.

(c) The team has recommended the establishment of Krishi Vigyan Kendras in the districts presently without KVKs. Setting up of new KVKs. will depend upon the availa bility of funds.

खरीफ फसल का लक्ष्य

2584. डा० जितेंद्र कुमार जैन :
श्री राम जेठमलानी :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि खरीफ के अगले मौसम के दौरान खाद्यान्न का उत्पादन लक्ष्य से 9 मिलियन टन कम होने की संभावना है; यदि नहीं, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और इस फसल के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है;

(ख) क्या सरकार उत्पादन में कमी की समीक्षा करने का विचार रखती है;

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ;

(घ) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद् ने हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट में उत्पादन में कमी होने का कारण उर्वरकों के मूल्य को बताया है जो सीमान्त और मझौले किसानों की पहुंच से बाहर हो गये हैं ;

(ङ) क्या सरकार इस आकलन से सहमत है; और

(च) यदि हां, तो इस संबंध में कठिनाई को दूर करने के लिए क्या कदम उठाये हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचंद्रन) : (क) अगले खरीफ मौसम अर्थात् 1992–93 के दौरान खाद्यान्नों के संभावित उत्पादन को सूचित कर पाने का अभी समय नहीं हुआ है क्योंकि फसल वर्ष की अभी शुरुआत नहीं हुई है। तथापि, 1991–92 खरीफ मौसम के दौरान खाद्यान्नों का उत्पादन 103.15 मिलियन मीटरी टन के निर्धारित लक्ष्य से लगभग 9 मिलियन मीटरी टन कम होने की संभावना है।

(ख) और (ग) सरकार ने समय-समय पर खरीफ मौसम के उत्पादन के आसारों की समीक्षा की है और वर्तमान रबी मौसम के दौरान उत्पादन में वृद्धि करने के लिये उचित उपाय किये गये हैं।